24-10-2023

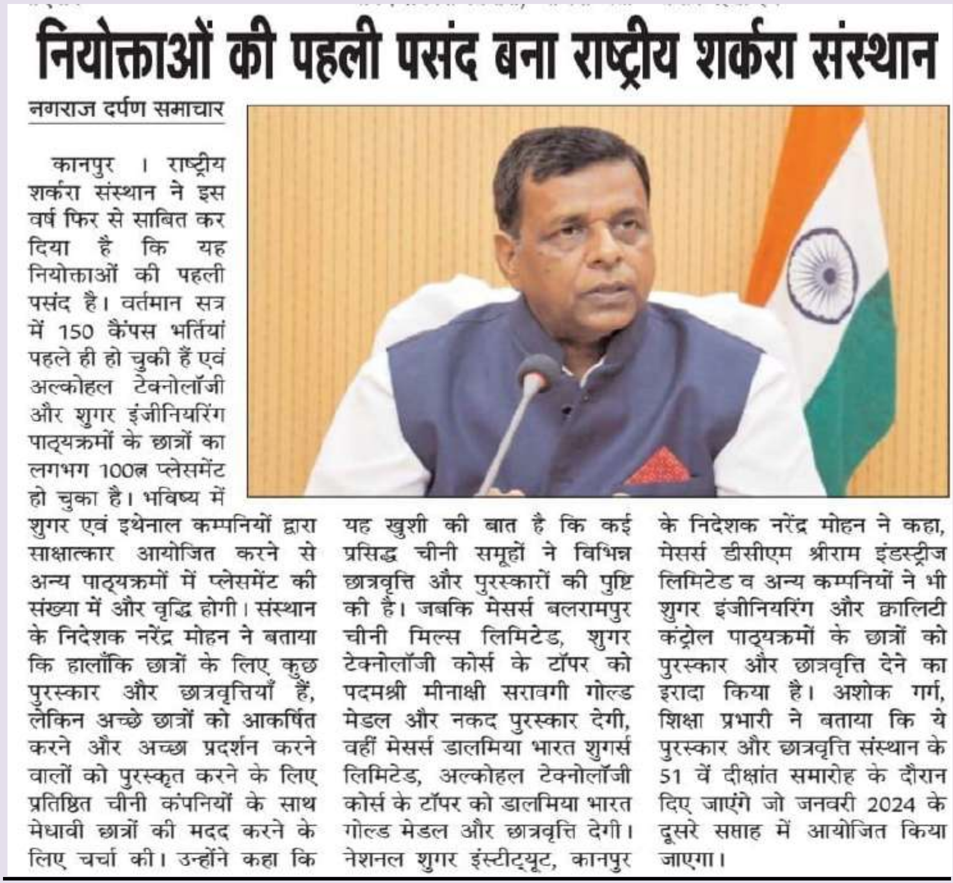

नियोक्ताओं की पहली पसंद बना राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने इस वर्ष फिर से साबित कर दिया है कि यह नियोक्ताओं की पहली पसंद है। वर्तमान सत्र में 150 कैंपस भर्तियां पहले ही हो चुकी हैं एवं अल्कोहल टेक्नोलॉजी और शुगर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के छात्रों का लगभग 100त्न प्लेसमेंट हो चुका है। भविष्य में शुगर एवं इथेनाल कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित करने से अन्य पाठ्यक्रमों में प्लेसमेंट की संख्या में और वृद्धि होगी। संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि हालाँकि छात्रों के लिए कुछ पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ हैं, लेकिन अच्छे छात्रों को आकर्षित करने और अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत करने के लिए प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों के साथ मेधावी छात्रों की मदद करने के लिए चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि कई प्रसिद्ध चीनी समूहों ने विभिन्न छात्रवृत्ति और पुरस्कारों की पुष्टि की है। जबकि मेसर्स बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को पदमश्री मीनाक्षी सरावगी गोल्ड मेडल और नकद पुरस्कार देगी, वहीं मेसर्स डालमिया भारत शुगर्स लिमिटेड, अल्कोहल टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को डालमिया भारत गोल्ड मेडल और छात्रवृत्ति देगी। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा, मेसर्स डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लिमिटेड व अन्य कम्पनियों ने भी शुगर इंजीनियरिंग और क्वालिटी कंट्रोल पाठ्यक्रमों के छात्रों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति देने का इरादा किया है। अशोक गर्ग, शिक्षा प्रभारी ने बताया कि ये पुरस्कार और छात्रवृत्ति संस्थान के 51 वें दीक्षांत समारोह के दौरान दिए जाएंगे जो जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा।

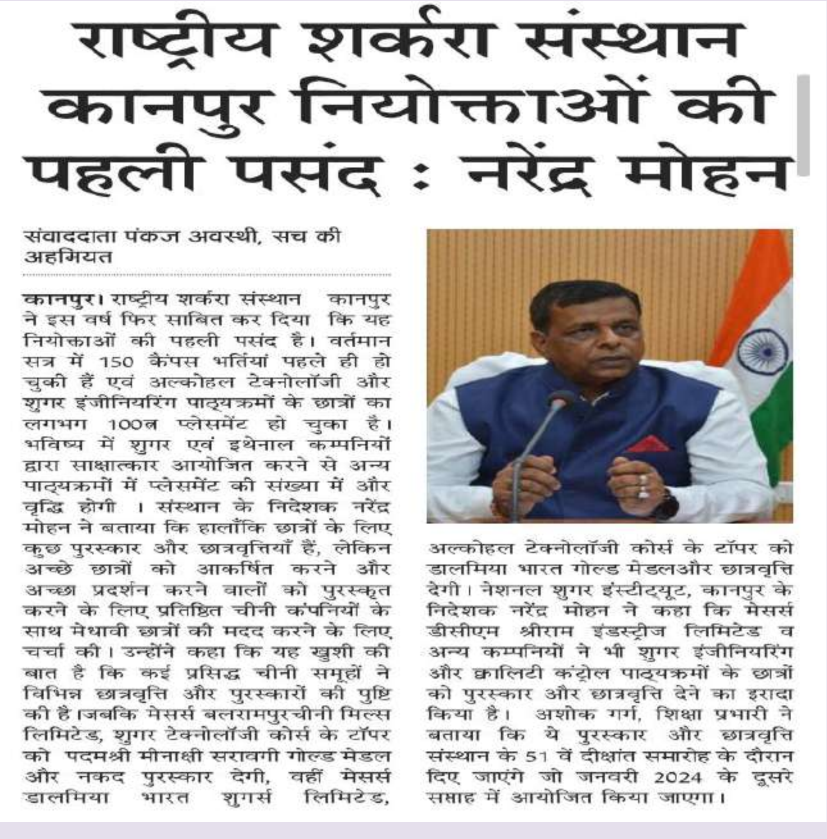

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर नियोक्ताओं की पहली पसंद : नरेंद्र मोहन

संवाददाता पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर ने इस वर्ष फिर साबित कर दिया कि यह नियोक्ताओं की पहली पसंद है। वर्तमान सत्र में 150 कैंपस भर्तियां पहले ही हो चुकी हैं एवं अल्कोहल टेक्नोलॉजी और शुगर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के छात्रों का लगभग 100त्न प्लेसमेंट हो चुका है। भविष्य में शुगर एवं इथेनाल कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित करने से अन्य पाठ्यक्रमों में प्लेसमेंट की संख्या में और वृद्धि होगी । संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि हालाँकि छात्रों के लिए कुछ पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ हैं, लेकिन अच्छे छात्रों को आकर्षित करने और अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत करने के लिए प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों के साथ मेधावी छात्रों की मदद करने के लिए चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि कई प्रसिद्ध चीनी समूहों ने विभिन्न छात्रवृत्ति और पुरस्कारों की पुष्टि की है।जबकि मेसर्स बलरामपुरचीनी मिल्स लिमिटेड, शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को पदमश्री मीनाक्षी सरावगी गोल्ड मेडल और नकद पुरस्कार देगी, वहीं मेसर्स डालमिया भारत शुगर्स लिमिटेड, अल्कोहल टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को डालमिया भारत गोल्ड मेडलऔर छात्रवृत्ति देगी। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि मेसर्स डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लिमिटेड व अन्य कम्पनियों ने भी शुगर इंजीनियरिंग और क्वालिटी कंट्रोल पाठ्यक्रमों के छात्रों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति देने का इरादा किया है। अशोक गर्ग, शिक्षा प्रभारी ने बताया कि ये पुरस्कार और छात्रवृत्ति संस्थान के 51 वें दीक्षांत समारोह के दौरान दिए जाएंगे जो जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा।

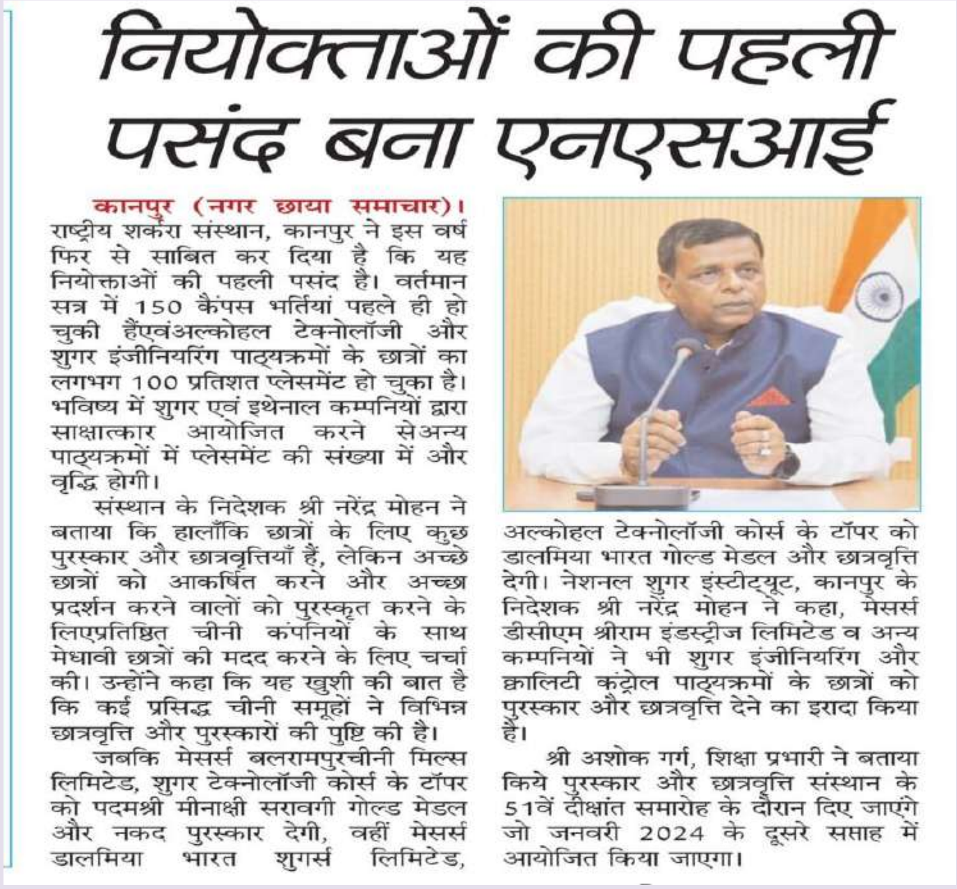

नियोक्ताओं की पहली पसंद बना एनएसआई

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने इस वर्ष फिर से साबित कर दिया है कि यह नियोक्ताओं की पहली पसंद है। वर्तमान सत्र में 150 कैंपस भर्तियां पहले ही हो चुकी हैंएवंअल्कोहल टेक्नोलॉजी और शुगर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के छात्रों का लगभग 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हो चुका है। भविष्य में शुगर एवं इथेनाल कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित करने सेअन्य पाठ्यक्रमों में प्लेसमेंट की संख्या में और वृद्धि होगी।

संस्थान के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने बताया कि हालाँकि छात्रों के लिए कुछ पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ हैं, लेकिन अच्छे छात्रों को आकर्षित करने और अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत करने के लिएप्रतिष्ठित चीनी कंपनियों के साथ मेधावी छात्रों की मदद करने के लिए चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि कई प्रसिद्ध चीनी समूहों ने विभिन्न छात्रवृत्ति और पुरस्कारों की पुष्टि की है।

जबकि मेसर्स बलरामपुरचीनी मिल्स लिमिटेड, शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को पदमश्री मीनाक्षी सरावगी गोल्ड मेडल और नकद पुरस्कार देगी, वहीं मेसर्स डालमिया भारत शुगर्स लिमिटेड, अल्कोहल टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को डालमिया भारत गोल्ड मेडल और छात्रवृत्ति देगी। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कानपुर के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने कहा, मेसर्स डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लिमिटेड व अन्य कम्पनियों ने भी शुगर इंजीनियरिंग और क्वालिटी कंट्रोल पाठ्यक्रमों के छात्रों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति देने का इरादा किया है।

श्री अशोक गर्ग, शिक्षा प्रभारी ने बताया किये पुरस्कार और छात्रवृत्ति संस्थान के 51वें दीक्षांत समारोह के दौरान दिए जाएंगे जो जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा।

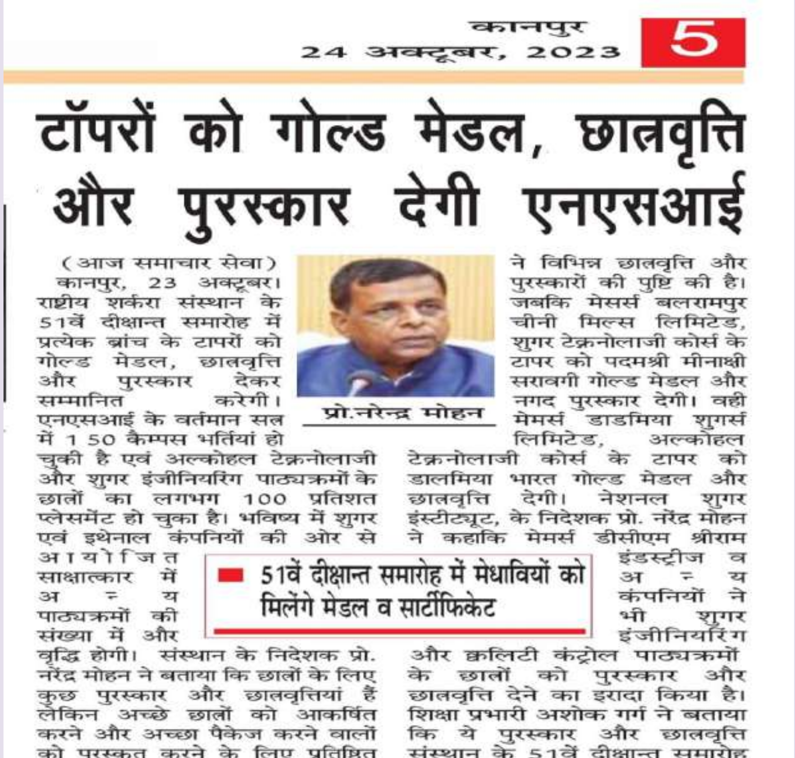

टॉपरों को गोल्ड मेडल, छात्रवृत्ति और पुरस्कार देगी एनएसआई

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 23 अक्टूबर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 51वें दीक्षान्त समारोह में प्रत्येक ब्रांच के टापरों को गोल्ड मेडल, छात्रवृत्ति और पुरस्कार देकर सम्मानित करेगी। एनएसआई के वर्तमान सत्र में 150 कैम्पस भर्तियां हो चुकी है एवं अल्कोहल टेक्नोलाजी और शुगर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के छात्रों का लगभग 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हो चुका है। भविष्य में शुगर एवं इथेनाल कंपनियों की ओर से आयोजित साक्षात्कार में अन्य पाठ्यक्रमों की संख्या में और वृद्धि होगी। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि छात्रों के लिए कुछ पुरस्कार और छात्रवृत्तियां हैं लेकिन अच्छे छात्रों को आकर्षित करने और अच्छा पैकेज करने वालों को पुरस्कृत करने के लिए प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों के साथ मेधावी छात्रों की मदद करने के लिए चर्चा की। उन्होंने कहाकि कई प्रसिद्ध चीनी समूहों ने विभिन्न छात्रवृत्ति और पुरस्कारों की पुष्टि की है। जबकि मेसर्स बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, शुगर टेक्रनोलाजी कोर्स के टापर को पदमश्री मीनाक्षी सरावगी गोल्ड मेडल और नगद पुरस्कार देगी। वही मेमर्स डाडमिया शुगर्स लिमिटेड, अल्कोहल टेक्रनोलाजी कोर्स के टापर को डालमिया भारत गोल्ड मेडल और छात्रवृत्ति देगी। नेशनल शुगर इंस्टीटयूट, के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि मेमर्स डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज व अन्य कंपनियों ने भी शुगर इंजीनियरिंग और क्वलिटी कंट्रोल पाठ्यक्रमों के छात्रों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति देने का इरादा किया है। शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने बताया कि ये पुरस्कार और छात्रवृत्ति संस्थान के 51वें दीक्षान्त समारोह के दौरान दिये जाएंगे, जोकि जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा।

प्रो.नरेन्द्र मोहन

■ 51वें दीक्षान्त समारोह में मेधावियों को मिलेंगे मेडल व सार्टीफिकेट

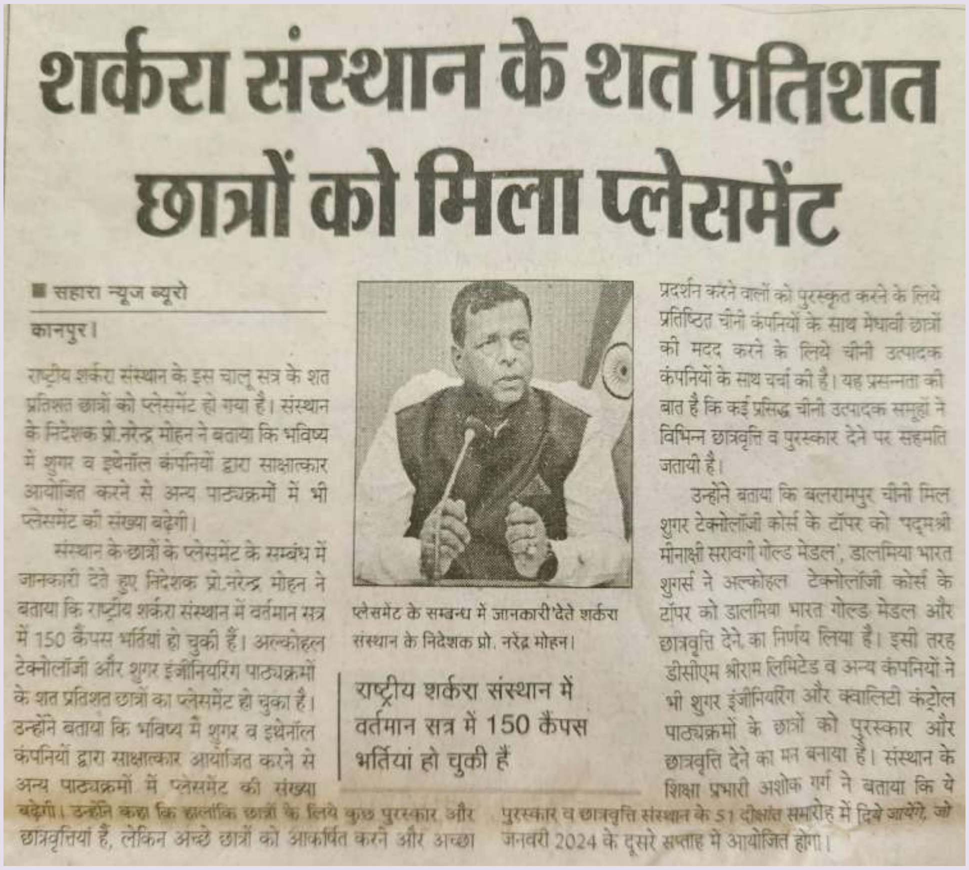

शर्करा संस्थान के शत प्रतिशत छात्रों को मिला प्लेसमेंट

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के इस चालू सत्र के शत प्रतिशत छात्रों को प्लेसमेंट हो गया है। संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने बताया कि भविष्य में शुगर व इथेनॉल कंपनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित करने से अन्य पाठ्यक्रमों में भी प्लेसमेंट की संख्या बढ़ेगी।

संस्थान के छात्रों के प्लेसमेंट के सम्बंध में जानकारी देते हुए निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने बताया कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में वर्तमान सत्र में 150 कैंपस भर्तियां हो चुकी हैं। अल्कोहल टेक्नोलॉजी और शुगर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के शत प्रतिशत छात्रों का प्लेसमेंट हो चुका है। उन्होंने बताया कि भविष्य में शुगर व इथेनॉल कंपनियों द्वारा साक्षात्कार आयोजित करने से अन्य पाठ्यक्रमों में प्लेसमेंट की संख्या बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि छात्रों के लिये कुछ पुरस्कार और छात्रवृत्तियां हैं, लेकिन अच्छे छात्रों को आकर्षित करने और अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत करने के लिये प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों के साथ मेधावी छात्रों की मदद करने के लिये चीनी उत्पादक कंपनियों के साथ चर्चा की है। यह प्रसन्नता की बात है कि कई प्रसिद्ध चीनी उत्पादक समूहों ने विभिन्न छात्रवृत्ति व पुरस्कार देने पर सहमति जतायी है।

उन्होंने बताया कि बलरामपुर चीनी मिल शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को 'पद्मश्री मीनाक्षी सरावगी गोल्ड मेडल', डालमिया भारत शुगर्स ने अल्कोहल टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को डालमिया भारत गोल्ड मेडल और छात्रवृत्ति देने का निर्णय लिया है। इसी तरह डीसीएम श्रीराम लिमिटेड व अन्य कंपनियों ने भी शुगर इंजीनियरिंग और क्वालिटी कंट्रोल पाठ्यक्रमों के छात्रों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति देने का मन बनाया है। संस्थान के शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने बताया कि ये पुरस्कार व छात्रवृत्ति संस्थान के 51 दीक्षांत समारोह में दिये जायेंगे, जो जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में आयोजित होगा।

प्लेसमेंट के सम्बन्ध में जानकारी देते शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

> राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में वर्तमान सत्र में 150 कैंपस भर्तियां हो चुकी हैं

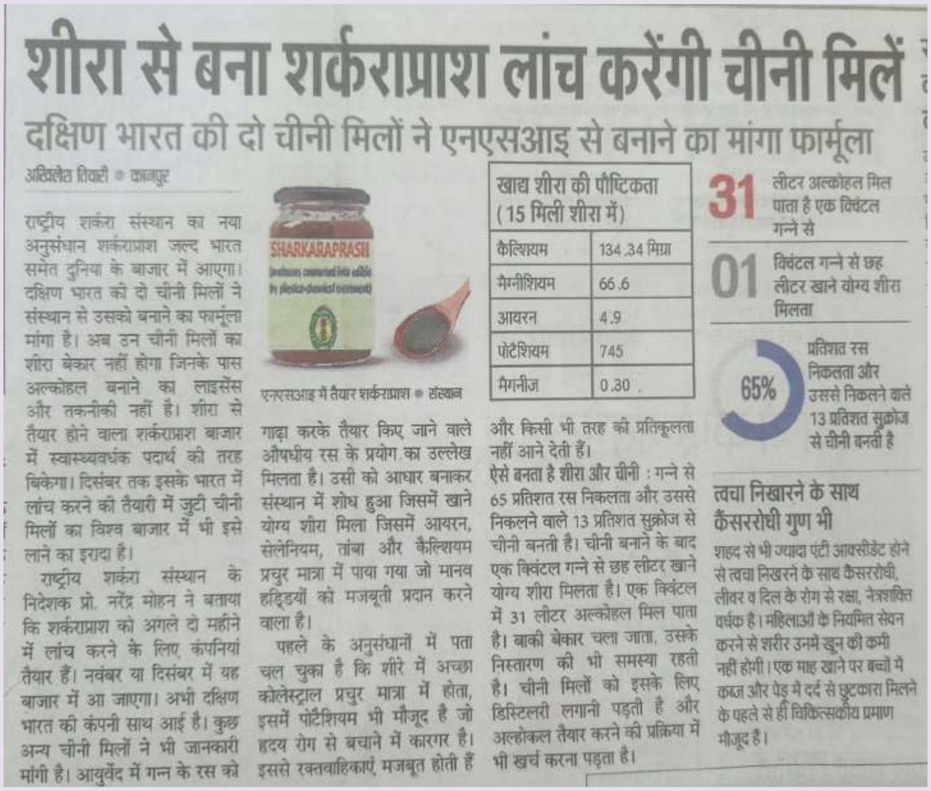

शीरा से बना शर्कराप्राश लांच करेंगी चीनी मिलें

दक्षिण भारत की दो चीनी मिलों ने एनएसआइ से बनाने का मांगा फार्मूला

अखिलेश तिवारी • कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का नया अनुसंधान शर्कराप्राश जल्द भारत समेत दुनिया के बाजार में आएगा। दक्षिण भारत की दो चीनी मिलों ने संस्थान से उसको बनाने का फार्मूला मांगा है। अब उन चीनी मिलों का शीरा बेकार नहीं होगा जिनके पास अल्कोहल बनाने का लाइसेंस और तकनीकी नहीं है। शीरा से तैयार होने वाला शर्कराप्राश बाजार में स्वास्थ्यवर्धक पदार्थ की तरह बिकेगा। दिसंबर तक इसके भारत में लांच करने की तैयारी में जुटी चीनी मिलों का विश्व बाजार में भी इसे लाने का इरादा है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि शर्कराप्राश को अगले दो महीने में लांच करने के लिए कंपनियां तैयार हैं। नवंबर या दिसंबर में यह बाजार में आ जाएगा। अभी दक्षिण भारत की कंपनी साथ आई है। कुछ अन्य चीनी मिलों ने भी जानकारी मांगी है। आयुर्वेद में गन्ने के रस को गाढ़ा करके तैयार किए जाने वाले औषधीय रस के प्रयोग का उल्लेख मिलता है। उसी को आधार बनाकर संस्थान में शोध हुआ जिसमें खाने योग्य शीरा मिला जिसमें आयरन, सेलेनियम, तांबा और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया गया जो मानव हड्डियों को मजबूती प्रदान करने वाला है।

पहले के अनुसंधानों में पता चल चुका है कि शीरे में अच्छा कोलेस्ट्राल प्रचुर मात्रा में होता, इसमें पोटैशियम भी मौजूद है जो हृदय रोग से बचाने में कारगर है। इससे रक्तवाहिकाएं मजबूत होती हैं और किसी भी तरह की प्रतिकूलता नहीं आने देती हैं।

ऐसे बनता है शीरा और चीनी : गन्ने से 65 प्रतिशत रस निकलता और उससे निकलने वाले 13 प्रतिशत सुक्रोज से चीनी बनती है। चीनी बनाने के बाद एक क्विंटल गन्ने से छह लीटर खाने योग्य शीरा मिलता है। एक क्विंटल में 31 लीटर अल्कोहल मिल पाता है। बाकी बेकार चला जाता, उसके निस्तारण की भी समस्या रहती है। चीनी मिलों को इसके लिए डिस्टिलरी लगानी पड़ती है और अल्होकल तैयार करने की प्रक्रिया में भी खर्च करना पड़ता है।

SHARKARAPRASH

एनएसआइ में तैयार शर्कराप्राश • संस्थान

खाद्य शीरा की पौष्टिकता (15 मिली शीरा में)	
कैल्शियम	134.34 मिग्रा
मैग्नीशियम	66.6
आयरन	4.9
पोटैशियम	745
मैगनीज	0.30

31 लीटर अल्कोहल मिल पाता है एक क्विंटल गन्ने से

01 क्विंटल गन्ने से छह लीटर खाने योग्य शीरा मिलता

65% प्रतिशत रस निकलता और उससे निकलने वाले 13 प्रतिशत सुक्रोज से चीनी बनती है

त्वचा निखारने के साथ कैंसररोधी गुण भी

शहद से भी ज्यादा एंटी आक्सीडेंट होने से त्वचा निखरने के साथ कैंसररोधी, लीवर व दिल के रोग से रक्षा, नेत्रशक्ति वर्धक है। महिलाओं के नियमित सेवन करने से शरीर उनमें खून की कमी नहीं होगी। एक माह खाने पर बच्चों में कब्ज और पेड़ में दर्द से छुटकारा मिलने के पहले से ही चिकित्सकीय प्रमाण मौजूद हैं।

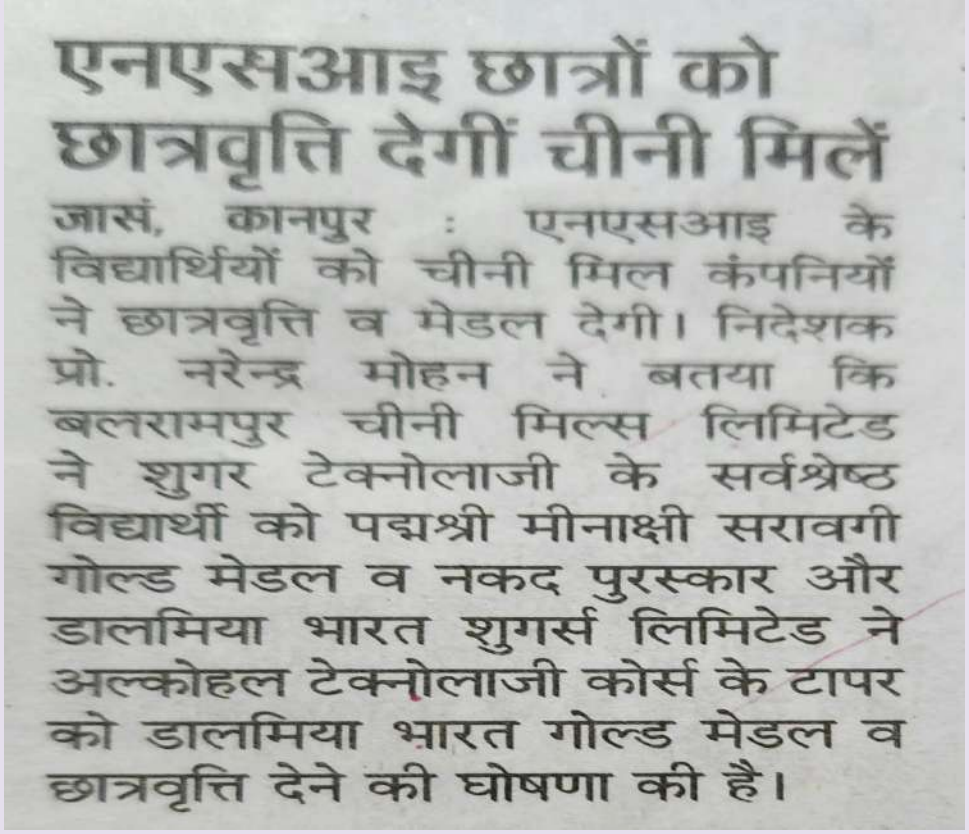

एनएसआइ छात्रों को छात्रवृत्ति देगीं चीनी मिलें

जासं, कानपुर : एनएसआइ के विद्यार्थियों को चीनी मिल कंपनियों ने छात्रवृत्ति व मेडल देगी। निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड ने शुगर टेक्नोलाजी के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को पद्मश्री मीनाक्षी सरावगी गोल्ड मेडल व नकद पुरस्कार और डालमिया भारत शुगर्स लिमिटेड ने अल्कोहल टेक्नोलाजी कोर्स के टापर को डालमिया भारत गोल्ड मेडल व छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है।

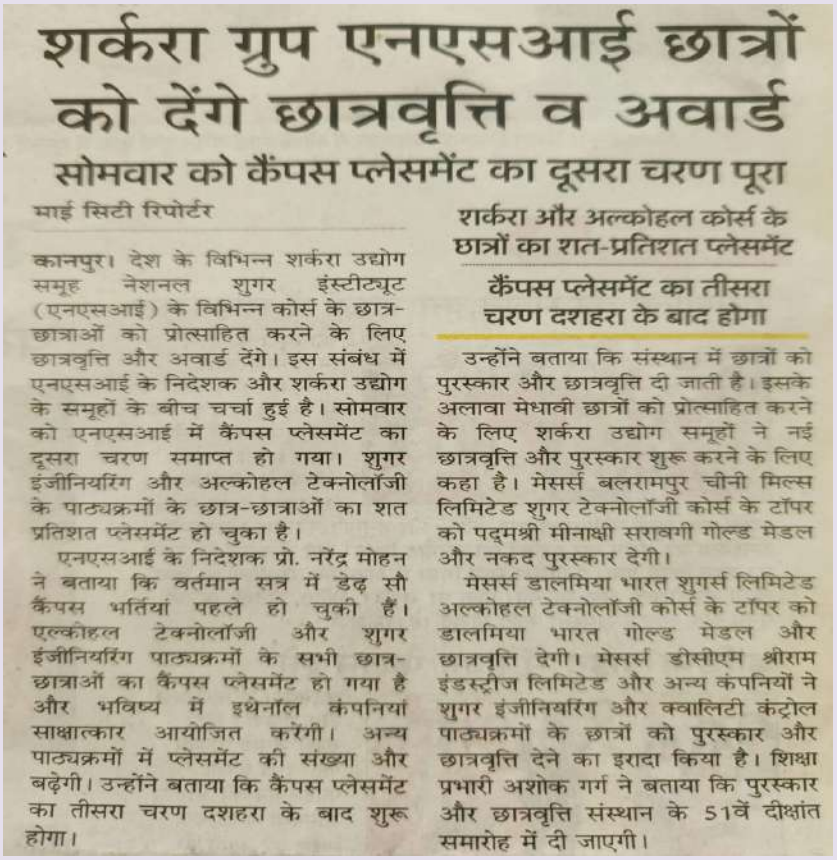

शर्करा ग्रुप एनएसआई छात्रों को देंगे छात्रवृत्ति व अवार्ड

सोमवार को कैंपस प्लेसमेंट का दूसरा चरण पूरा

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। देश के विभिन्न शर्करा उद्योग समूह नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के विभिन्न कोर्स के छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति और अवार्ड देंगे। इस संबंध में एनएसआई के निदेशक और शर्करा उद्योग के समूहों के बीच चर्चा हुई है। सोमवार को एनएसआई में कैंपस प्लेसमेंट का दूसरा चरण समाप्त हो गया। शुगर इंजीनियरिंग और अल्कोहल टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं का शत प्रतिशत प्लेसमेंट हो चुका है।

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि वर्तमान सत्र में डेढ़ सौ कैंपस भर्तियां पहले हो चुकी हैं। एल्कोहल टेक्नोलॉजी और शुगर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के सभी छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट हो गया है और भविष्य में इथेनॉल कंपनियां साक्षात्कार आयोजित करेंगी। अन्य पाठ्यक्रमों में प्लेसमेंट की संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि कैंपस प्लेसमेंट का तीसरा चरण दशहरा के बाद शुरू होगा।

शर्करा और अल्कोहल कोर्स के छात्रों का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट

कैंपस प्लेसमेंट का तीसरा चरण दशहरा के बाद होगा

उन्होंने बताया कि संस्थान में छात्रों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति दी जाती है। इसके अलावा मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए शर्करा उद्योग समूहों ने नई छात्रवृत्ति और पुरस्कार शुरू करने के लिए कहा है। मेसर्स बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को पद्मश्री मीनाक्षी सरावगी गोल्ड मेडल और नकद पुरस्कार देगी।

मेसर्स डालमिया भारत शुगर्स लिमिटेड अल्कोहल टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर को डालमिया भारत गोल्ड मेडल और छात्रवृत्ति देगी। मेसर्स डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लिमिटेड और अन्य कंपनियों ने शुगर इंजीनियरिंग और क्वालिटी कंट्रोल पाठ्यक्रमों के छात्रों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति देने का इरादा किया है। शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने बताया कि पुरस्कार और छात्रवृत्ति संस्थान के 51वें दीक्षांत समारोह में दी जाएगी।